SHRI M.P. ACHUTHAN (Kerala): Sir, I too associate myself with the issue.

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

Adulteration in food items posing threat to health

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, मैं ज़ीरो ऑवर में एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठा रहा हूं। मुझे खुशी है कि स्वास्थ्य मंत्री जी सदन में बैठे हुए हैं। मिलावट इस देश के लिए एक अभिशाप बन गयी है। आज यह स्थिति हो गयी है कि हमें अखबारों में advertisement पढ़ने पढ़ते हैं कि हमारा घी ले लो तो शुद्ध मिलेगा, हमारा शहद लो तो शुद्ध मिलेगा। दाल, चावल, तेल, घी और यहां तक कि दवाइयां भी मिलावटी वस्तुओं की श्रेणी में आ गयी हैं। महोदय, बीच में यह एक ऐसा जाल फंसा हुआ है कि केन्द्र सरकार कहती है कि राज्य सरकार का सब्जेक्ट है कि वह मिलावट रोके, लेकिन कहीं न कहीं यह केन्द्र सरकार की भी जिम्मेदारी है। इनके पास लैब्स नहीं हैं। आज लोगों के हजारों सैंपल्स ऐसे पड़े हुए हैं, जिन सैंपल्स की जांच होकर रिपोट्र्स नहीं आ पा रही हैं। सालों-साल सैंपल पड़े रहते हैं। इस मिलावट के चलते आज कैंसर इस देश में एक महामारी हो गया है। मिलावट के कारण तमाम ऐसे-ऐसे डिसीज़ होने लग गए हैं कि समझ में नहीं आता। बच्चे को दूध पिला दो तो पता नहीं वह किस चीज़ का बना हुआ है, क्या हो जाए। श्रीमन्, विदेश में अगर कोई मिलावट कर दे तो शायद कत्ल से बड़ी सज़ा है। यूरोप और अमेरिका में मिलावट शब्द सुना नहीं जाता। सिंगापुर बहुत छोटा देश है, वहां अगर कोई मिलावट कर दे तो क्या होगा, लेकिन हमारे देश में एक प्रचलन हो गया है और मुझे लगता है कि यह दिन-प्रतिदिन बढ़ता चला जा रहा है। कहीं न कहीं तो कमजोरी है। मैं कहना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बात करे क्योंकि अगर इसको दूर नहीं किया गया तो यह इस देश के लिए बहुत बड़ा चिंता का विषय बन जाएगा। आज क्या-क्या चीज़ें किसमें मिलायी जा रही हैं? सब जानते हैं कि मसालों में किसी में ईंट पीस कर मिलायी जा रही है, किसी में कुछ मिलाया जा रहा है। मिलावट से तमाम...**(व्यवधान)**... दूध में मिलावट का बुरा हाल है। मैं यह जानना चाहता हूं कि देश में मिलावट को रोकने के लिए कौन सा उपाय किया जाएगा और क्या सरकार इस पर गंभीर है? अगर नहीं है तो मैं कुछ नहीं कहता, लेकिन यह सबके लिए है। यहां तक कि इस कैंटीन में अगर कोई खाना खा ले, जो पार्लियामेंट की कैंटीन है....। इसको रेलवे की कैंटीन कहा जाता है, इसका खाना खाकर मिलावट के कारण कई सदस्य बीमार हो चुके हैं। अगर हम विदेश में खाना खा लें तो ठीक रहेंगे, लेकिन हिन्दुस्तान में खाना खा लें, तो disease हो जाएगी। इसकी रोकथाम के लिए कोई न कोई उपाय करना चाहिए। मैं आपके माध्यम से सरकार से अपील कर रहा हूं कि चाहे जितना कड़ा कानून लाना पड़े, आप कानून लाइए, इसको बदलिए। आप ऐसा करिए कि अगर कोई दोषी है, तो उसे कानून के तहत छह महीने के अंदर सजा मिल जाए। ...**(समय की घंटी)**... आपने तमाम फास्ट ट्रैक कोर्ट बना दी हैं, लेकिन फास्ट ट्रैक कोर्ट से भी कुछ नहीं हो रहा है। मैं चाहता हूं कि स्वास्थ्य मंत्री जी इसका जवाब दे दें। मैं चाहता हूं कि स्वास्थ्य मंत्री जी उठकर कह दें कि इसके बारे में हम कुछ करेंगे, तो शायद इस देश के लिए ज्यादा बेहतर होगा। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All the names of the hon. Members, who have associated themselves with it, may be included.

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

श्री महेन्द्र सिंह माहरा (उत्तराखंड) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री किरनमय नन्दा (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

श्रीमती कनक लता सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

डा. तज़ीन फातमा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

श्री सतीश चन्द्र मिश्रा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री वीर सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

SHRI C.P. NARAYANAN (Kerala) : Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री जगत प्रकाश नड्डा): उपसभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो कहा है, वह विषय सच में बहुत गंभीर है और सरकार इसकी गंभीरता को पूरी जिम्मेदारी के साथ समझ रही है। इसके लिए हमने कुछ initiatives लिए हैं। इसमें basically capacity building करनी है, capacity building laboratories की करनी है और उसके साथ-साथ जो हमारे इन्सपेक्टर्स हैं, उनके साथ भी इसमें बहुत सा ट्रेनिंग का पार्ट है। सरकार ने इसको बहुत सीरियसली लिया है। इसके कुछ नियमों में चेंज करने की आवश्यकता है। इस पर सरकार बहुत तीव्र गति से काम कर रही है।

श्री नरेश अग्रवाल: क्या आप फूड सेफ्टी बिल ला रहे हैं या उसे रोक लिया है?

श्री जगत प्रकाश नड्डा: नहीं, उस पर कार्य जारी है और जल्दी से जल्दी उस विषय को लेकर हम आएंगे। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती रेणुका चौधरी (आन्ध्र प्रदेश): सर, फूड सेफ्टी नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

Increasing cases of minor tribal girls becoming pregnant in Odisha schools

SHRIMATI JHARNA DAS BAIDYA (Tripura): Sir, I would like to draw your attention to the outrageous and shocking incident of unwanted pregnancy among tribal girls in the State-run Kanyashram schools in Odisha from where such incidents are reported. Principals of schools reporting such cases should be immediately suspended and action should be taken against others, especially hostel superintendents.

The latest case was reported on Friday from Gupteswar Sevashram, a residential school for SC/ST students at Kandulbeda under the Boipariguda Police Station of Koraput district. A 15 - year old tribal girl, a student of class VIII and a resident of Purunaguda village under Ramagiri panchayat was not coming to school ever since she had gone to her village during the Christmas holidays in December. She complained of abdominal pain late on Thursday night, following which her family called an ambulance to shift her to Boipariguda hospital. But, she delivered a boy child on her way to hospital. Her parents have lodged a complaint at Boipariguda police station and the district administration has started an inquiry. At least four cases of school girls becoming pregnant have surfaced in various ashram schools of the State.

On February 4th this year, a 12-year old tribal girl student of class VI studying in Umuri Sevashram of Koraput district gave birth to a boy child at the hostel. The Headmaster of the Government-run school in Koraput has been suspended, while a show-cause notice has been served to a hostel warden for allegedly suppressing the pregnancy of a tribal student who delivered a baby at the district hospital on January 24. The girl was a class VIII student at the Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya, Koraput. Already a month has elapsed since the assault. I request you to intervene urgently and demand strict action against the culprits and ensure that justice is done to the minor tribal girls.

SHRIMATI VIPLOVE THAKUR (Himachal Pradesh): Sir, Government should intervene in this matter. The Ministry of Women and Child Development should take up this issue.

SHRI P. RAJEEVE (Kerala): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ANIL DESAI (Maharasthra): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.